हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

31 दिसंबर, 2025 को लिक्विडिटी जोखिम पर सार्वजनिक प्रकटीकरण, आरबीआई को लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क पर आरबीआई (एनबीएफसी-परिसंपत्ति देयता प्रबंधन) निदेशों, 2025 के दिशानिदेशों के अनुसार

(i) महत्वपूर्ण प्रतिपक्षों [1] (डिपॉज़िट* और उधार दोनों) के आधार पर फंडिंग कंसंट्रेशन:

महत्वपूर्ण प्रतिपक्षों[1] ** की संख्या	राशि (करोड़ रुपये में)	कुल जमा[2] का प्रतिशत %	कुल देनदारियों[3] का प्रतिशत %
53	62,589.31	लागू नहीं**	44.31%
** कुल डिपॉजिट - रु.17.80 करोड़, जिसमें जनता से रु.00 करोड़ के टर्म डिपॉजिट और लोगों/एचयूएफ और ट्रस्ट द्वारा कंपनी के अनसिक्योर्ड नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर में निवेश किए गए रु 17.80 करोड़ शामिल हैं, जिनकी मैच्योरिटी एक वर्ष से ज़्यादा है और जिनका सब्सक्रिप्शन रु.1 करोड़ से कम है।* *** कंपनी के पास ऐसा कोई डिपॉजिटर नहीं है जो महत्वपूर्ण काउंटर पार्टी [1] के तौर पर एलिजिबल हो।*			

(ii) शीर्ष 20 बड़े डिपॉजिट [2]:

31.12.2025 तक	
राशि (करोड़ रुपये में)	**कुल जमा* का %**
17.80	100%
** कुल जमा - 17.80 करोड़ रुपये, जिसमें जनता से 0.00 करोड़ रुपये के टर्म डिपॉजिट और व्यक्तियों/एचयूएफ और ट्रस्ट द्वारा कंपनी के एक वर्ष से ज़्यादा की मैच्योरिटी वाले अनसिक्योर्ड नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर में निवेश की गई रु. 17.80 करोड़ की राशि शामिल है, जिसमें रु. 1 करोड़ से कम का सब्सक्रिप्शन है।* *** एक ही निवेश मूल्य वाले एक से ज़्यादा निवेशक हैं। सही जानकारी के लिए, ऐसे सभी निवेशक को एक साथ जोड़ दिया गया है और वे शीर्ष 20 बड़े डिपॉजिट का हिस्सा हैं।*	

(iii) शीर्ष 10 उधारियां :

31.12.2025 तक	
राशि **(करोड़ रुपये में)**	**कुल उधार का %**
69,519.17*	50.92%
**बैंकों से बॉन्ड जारी करने/टर्म लोन के साइज़ के आधार पर।*	

(iv) ***महत्वपूर्ण उपकरण[1] उत्पाद के आधार पर* फंडिंग कंसंट्रेशन :**

क्रम.स.	महत्वपूर्ण उपकरण / उत्पाद [1]	31.12.2025 तक	
		राशि (करोड़ में)	कुल देनदारियों[3] का %
1.	ऋण प्रतिभूतियों		
	- कर-मुक्त एनसीडी	11,063.92	7.83%
	- कर योग्य एनसीडी	51,525.39	36.47%
	- 54 ईसी बॉन्ड्स	56.39	0.04%
	उप-योग (1)	**62,645.70**	**44.35%**
2.	उधारियां (ऋण प्रतिभूतियों के अतिरिक्त)		
	- एनएचबी से पुनर्वित्त सुविधा	185.37	0.13%
	- बैंकिंग सुविधाएं (दीर्घकालिक + अल्पकालिक)	57,659.31	40.82%
	-एफसीएनआर	6,069.59	4.30%
	-विदेशी मुद्रा ऋण	9,960.84	7.05%
	उप-योग (2)	**73,875.11**	**52.30%**
	कुल (1+2)	**136,520.81**	**96.64%**

(v) स्टॉक अनुपात:

क्रम.स.	विवरण	राशि (करोड़ रुपये में)	कुल सार्वजनिक फंड्स का %	कुल देनदारियों का %	कुल संपत्ति में %
1.	वाणिज्यिक पत्र	-	-	-	-
2.	नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (ओरिजिनल मैच्योरिटी 1 वर्ष से कम)	-	-	-	-
3.	अन्य अल्पकालिक देनदारियाँ*	11,414.58	8.36%	8.08%	7.13%

**दूसरी अल्पकालिक देनदारियां में 1 वर्ष से कम की ओरिजिनल मैच्योरिटी वाली फाइनेंशियल देनदारियां और नॉन-फाइनेंशियल देनदारियां शामिल हैं (1 वर्ष से कम की ओरिजिनल मैच्योरिटी वाले कमर्शियल पत्र और नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर को छोड़कर)।*

फुटनोट:

1. *महत्वपूर्ण काउंटरपार्टी/ महत्वपूर्ण उपकरण/प्रोडक्ट को सिंगल काउंटरपार्टी/ सिंगल उपकरण/ प्रोडक्ट या कनेक्टेड या एफिलिएटेड काउंटरपार्टीज़ के ग्रुप के तौर पर परिभाषित किया गया है, जिनकी कुल देनदारियों का कुल मिलाकर 1% से ज़्यादा हिस्सा हो।*

2. *"सार्वजनिक जमा" को भारतीय रिज़र्व बैंक (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ - सार्वजनिक जमा की स्वीकृति) निदेश, 2025 में परिभाषित किया गया है।*

3. *कुल देनदारियों की गिनती सभी वित्तीय और गैर-वित्तीय देनदारियां के जोड़ के तौर पर की गई है (31.12.2025 को खत्म हुए समय के लिए इंड एएस के अनुसार तैयार किए गए लिमिटेड रिव्यू किए गए स्टैंडअलोन वित्तीय स्टेटमेंट से लिया गया है) और इसमें इक्विटीज़ और रिज़र्व और सरप्लस शामिल नहीं हैं।*

4. *"पब्लिक फंड्स" को रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया (नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनीज़ - रजिस्ट्रेशन, छूट और स्केल बेस्ड रेगुलेशन के लिए फ्रेमवर्क) निदेशों, 2025 में बताया गया है, जिसमें कहा गया है कि "पब्लिक फंड्स" में पब्लिक डिपॉज़िट, इंटर-कॉर्पोरेट डिपॉज़िट, बैंक फाइनेंस और बाहरी सोर्स से मिले सभी फंड्स जैसे कमर्शियल पेपर्स, डिबेंचर आजि जारी करके जुटाए गए फंड्स शामिल हैं, लेकिन इसमें ऐसे उपकरण जारी करके जुटाए गए फंड्स शामिल नहीं हैं जिन्हें जारी करने की तारीख से 5 वर्ष से ज़्यादा समय के अंदर इक्विटी शेयर्स में बदलना ज़रूरी है।*

5. *इस प्रकटीकरण में दी गई जानकारी 31.12.2025 को खत्म हुए समय के लिए लिमिटेड रिव्यू किए गए स्टैंडअलोन फाइनेंशियल स्टेटमेंट (इंड एएस के अनुसार तैयार) पर आधारित है।*

<u>गुणात्मक प्रकटीकरण:</u>

लिक्विडिटी जोखिम प्रबंधन के लिए इंस्टीट्यूशनल सेट-अप: हडको ने एक इंटीग्रेटेड जोखिम प्रबंधन प्रस्ताव लागू किया है, जिसके द्वारा यह निरंतर आधार पर बड़े जोखिम का रिव्यू और असेसमेंट करता है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि जोखिम नियंत्रण और न्यूनीकरण का एक सुदृढ़ व्यवस्था मौजूद है। हडको के पास अलग-अलग जोखिम से निपटने के अपने उद्देश्य के अनुसार एक अच्छी संरचित हुई सुदृढ़ जोखिम प्रबंधन नीति और परिचालित मैनुअल है।

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के अनुपालन में, हडको ने निदेशक मंडल के एक सदस्य की अध्यक्षता में 'जोखिम प्रबंधन समिति' (आरएमसी) नाम के अंतर्गत एक बोर्ड स्तरीय समिति स्थापित की है, जो दो (2) उप-समितियों के विभिन्न निर्णयों/अनुमोदनों की समीक्षा करती है:

- क्रेडिट एवं प्रचालन जोखिम प्रबंधन उप-समिति (सीओआरएमएससी);
- संपत्ति देयता प्रबंधन उप-समिति (एएलसीओ);

जोखिम प्रबंधन समिति (RMC), जो बोर्ड की एक समिति है, यह सुनिश्चित करती है कि जोखिम को अच्छे से प्रबंध और संरेखित किया जाए। एएलसीओ की ज़िम्मेदारी है कि वह बोर्ड से अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति में तय लिक्विडिटी रिस्क टॉलरेंस/लिमिट का अनुपालन करे। लिक्विडिटी जोखिम के मामले में एएलसीओ की भूमिका में, दूसरी बातों के अतिरिक्त, परिसंपत्तियों और देनदारियों के लिए आवश्यक मैच्योरिटी प्रोफ़ाइल पर निर्णय लेना, लिक्विडिटी जोखिम का प्रबंधन करने के लिए ज़िम्मेदारियाँ और नियंत्रण, और कंपनी की लिक्विडिटी स्थिति की देखरेख करना शामिल है।

प्रबंधन निरंतर रूप से नकद और नकद समकक्ष की स्थिति का रिव्यू करता है। इसके लिए वह इसे वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों की अनुमानित मैच्योरिटी, आर्थिक स्थिति, वित्तीय बाजार में लिक्विडिटी की स्थिति, भविष्य के उधार और भविष्य की देनदारियों की अनुमानित पाइपलाइन और एएलएम नीति में निर्धारित न्यूनतम लिक्विडिटी की सीमा के साथ जोड़ता है, जिसमें प्रबंधन ओवरले के रूप में एडिशनल लिक्विडिटी बफर्स भी होते हैं।

<u>एलसीआर पर मात्रात्मक प्रकटीकरण:</u>

लिक्विडिटी कवरेज अनुपात (एलसीआर) का उद्देश्य एनबीएफसी को लिक्विडिटी में आने वाली बाधाओं से निपटने में मदद करना है, इसके लिए यह सुनिश्चित किया जाता है कि उनके पास 30 कैलेंडर दिनों तक चलने वाले किसी भी एक्यूट लिक्विडिटी स्ट्रेस से बचने के लिए पर्याप्त हाई क्वालिटी लिक्विड एसेट (एचक्यूएलए) हो।

आरबीआई (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - परिसंपत्ति देयता प्रबंधन) निर्देश, 2025 के अनुसार हडको को निरंतर आधार पर न्यूनतम 100 प्रतिशत की लिक्विडिटी कवरेज अनुपात (एलसीआर) बनाए रखना आवश्यक है। लिक्विडिटी कवरेज अनुपात (एलसीआर) पर दिशानिदेशों के अध्याय III पैरा संख्या 62 के अनुसार, 5000 करोड़ रुपये और उससे अधिक की परिसंपत्ति के आकार के साथ एक गैर-जमा स्वीकार करने वाली एनबीएफसी को भाररहित एचक्यूएलए का पर्याप्त स्तर बनाए रखना होगा, जिसे सीवियर लिक्विडिटी स्ट्रेस स्थितियों के अंतर्गत 30 कैलेंडर-दिन के समय के लिए अपनी लिक्विडिटी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नकदी में परिवर्तित किया जा सके।

इसलिए, कंपनी ने हाई क्वालिटी लिक्विड एसेट्स (एचक्यूएलए) की गणना की और उनमें निवेश किया है। प्रबंधन का मानना है कि कंपनी के पास अपनी भविष्य की अल्प-अवधि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त लिक्विडिटी कवर है।

31.12.2025 तक लिक्विडिटी कवरेज अनुपात पर प्रकटीकरण

(₹ करोड़)

हाई क्वालिटी लिक्विड एसेट्स		तिमाही-3 (अक्टूबर 2025 - दिसंबर 2025)	
		कुल अभारित मान (औसत)	कुल भारित मान (औसत)
1	कुल हाई क्वालिटी लिक्विड एसेट्स (एचक्यूएलए)	1,404.37	1,306.22
नकदी बहीर्वाह			
2	जमा (डिपॉजिट लेने वाली कंपनियों के लिए)	-	-
3	अप्रतिभूतित थोक वित्तपोषण	2,801.51	3,221.74
4	प्रतिभूतित थोक वित्तपोषण	146.55	168.53
5	अतिरिक्त आवश्यकताएं, जिनमें		
(i)	डेरिवेटिव प्रकटीकरण और दूसरी कोलैटरल आवश्यकताओं से जुड़े बहीर्वाह	-	-
(ii)	ऋण प्रोडक्ट्स पर वित्तपोषण के नुकसान से जुड़े बहीर्वाह	-	-
(iii)	ऋण और लिक्विडिटी सुविधाएं	-	-
6	अन्य संविदात्मक वित्तपोषण दायित्व	25.00	28.75
7	अन्य आकस्मिक वित्तपोषण दायित्व	3.00	3.45
8	**कुल नकदी बहिर्वाह**	**2,976.06**	**3,422.47**
नकदी प्रवाह			
9	प्रतिभूतित ऋण	2,135.82	1,601.87
10	पूरी तरह से परफॉर्म करने वाले प्रकटीकरण से प्रवाह*	-	-
11	अन्य नकदी प्रवाह	10,391.13	7,793.35
12	**कुल नकदी प्रवाह**	**12,526.96**	**9,395.22**
			कुल समायोजित मूल्य
13	**कुल एचक्यूएलए**		**1,306.22**
14	**कुल शुद्ध नकदी बहिर्वाह**		**855.62**
15	**लिक्विडिटी कवरेज अनुपात (%)**		**152.66%**

टिप्पणीयां :

1. *अभारित मूल्य की गणना 30 दिनों के भीतर मैच्योर होने वाले या कॉल करने योग्य आउटस्टैंडिंग बैलेंस के रूप में की जाती है (कैश प्रवाह और कैश बहिर्वाह के लिए)।*

2. *भारित मूल्य, संबंधित हेयरकट (एचक्यूएलए के लिए) और स्ट्रेस फैक्टर (कैश प्रवाह/कैश बहिर्वाह पर) लगाने के बाद गणना की जाती हैं।*
3. *औसत अभारित और भारित राशि को दैनिक अवलोकन का सीधा औसत लेकर गणना की जाती है।*
4. *कंपनी एसडीएल, बॉन्ड और बैंक बैलेंस में आवश्यक राशि निवेश करके एचक्यूएलए का रखरखाव कर रही है।*

**सिक्योर्ड लेंडिंग में शामिल प्रवाह मुख्य रूप से सरकारी गारंटी से सपोर्टेड होते हैं, जिससे इसकी सिक्योरिटी सुनिश्चित होती है। इसके अतिरिक्त, इन ऋणों को परफॉर्मिंग प्रकटीकरण के रूप में श्रेणी में रखा गया है। वित्तीय प्रवाह को दिखाने में किसी भी डुप्लीकेशन से बचने के लिए, हमने 'फुली परफॉर्मिंग एक्सपोजर से इनफ्लो' श्रेणी के अंतर्गत राशि को बाहर रखा है।*